20 Jan '16

भारत का विस्तार — उत्तरी पूर्वी गोलार्द्ध में

8°4' से 37°6' उत्तरी अक्षांश

68°7' से 97°25' पूर्वी देशान्तर

82½° पूर्वी देशान्तर इसके लगभग मध्य (इलाहाबाद के नैनी) से होकर गुजरती है जो कि देश का मानक समय है।

यह ग्रीनवीच समय से 5 घन्टा 30 मिनट आगे है।

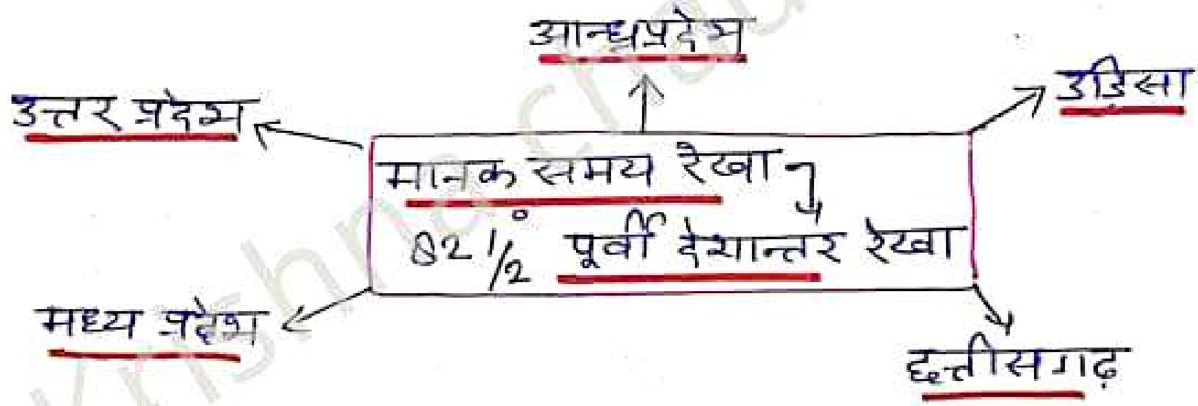


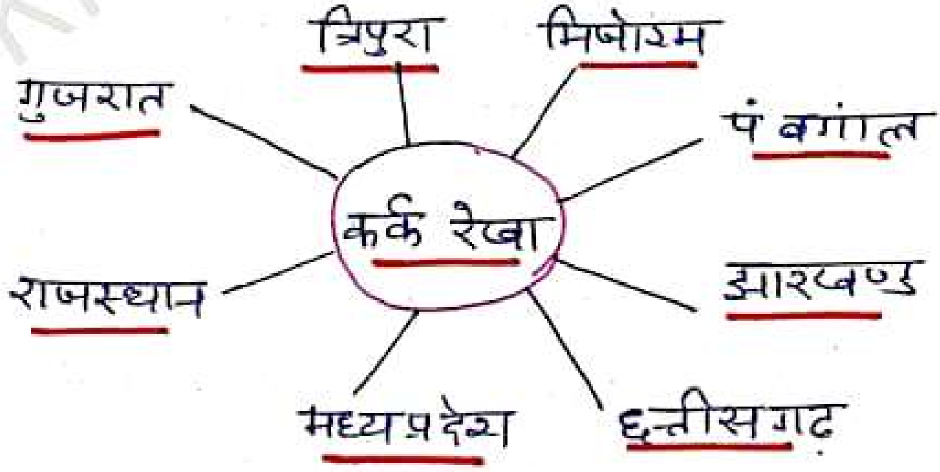


शून्य रेखा (Zero line) - त्रिपुरा तथा बांग्लादेश की सीमा को

भारत के स्थलीय सीमा की लम्बाई — 15,200 किमी

तटीय सीमा की लम्बाई — 6100 किमी

कर्क रेखा पर स्थित शहर — राँची

Krishna Choudhary

Scanned by CamScanner

✓ भारत में तटरेखा वाले राज्य - 9

| | |
|---|---|
| गुजरात | तमिलनाडु |
| महाराष्ट्र | आन्ध्रप्रदेश |
| गोवा | उडिसा |
| कर्नाटक | पं बंगाल |
| केरल | |

✓ पडोसी देशों से भारत के राज्यों की सीमाएं —

पाकिस्तान ④ — गुजरात , राजस्थान, पंजाब
जम्मु & काश्मीर

अफगानिस्तान ① - जम्मु & काश्मीर

चीन ⑤ — J&K, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड
सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश

नेपाल ⑤ — उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, बिहार
प. बंगाल, सिक्किम

भूटान ④ — सिक्किम, प. बंगाल, असम
अरूणाचल प्रदेश

बांग्लादेश ⑤ - पं. बंगाल, असम, मेघालय,
त्रिपुरा, मिजोरम

म्यांमार ④ — अरूणाचल प्रदेश, नागालैंड
मणिपुर, मिजोरम

* भारत का कौन सा राज्य बांग्लादेश से तीन तरफ से घिरा है — त्रिपुरा

* पाकिस्तान सीमा से लगे भारत के राज्यों में किसकी लम्बाई सर्वाधिक है — जम्मु & काश्मीर

Scanned by CamScanner

दक्षिणतम बिन्दु – इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार द्वीप)
उत्तरतम बिन्दु – इन्दिरा कॉल (जम्मु - काश्मीर)
पश्चिमोत्तम बिन्दु – गौर मोता (गुजरात)
पूर्वोत्तम बिन्दु – किबिथु (अरुणाचल प्रदेश)

लघु अंडमान
| 10° चैनल
कार-निकोबार

मिनीकाय
| 9° चैनल
लक्षद्वीप

मालदीव
| 8° चैनल
मिनीकाय

रेडक्लिफ रेखा – भारत एवं पाकिस्तान
डुरंड रेखा – भारत एवं अफगानिस्तान
मैकमोहन – भारत एवं चीन
मैगीनाट रेखा – फ्रांस एवं जर्मनी के मध्य

* आदम ब्रिज तमिलनाडु एवं श्रीलंका के मध्य स्थित है। पम्बन द्वीप आदम ब्रिज का हिस्सा है। – इसी पर ही रामेश्वरम स्थित है।

Krishna chaudhary

Scanned by CamScanner

भूगर्भिक संरचना → प्राचीनतम चट्टान (आर्कियन एवं प्री- कैम्ब्रियन युग)
→ नवीनतम चट्टान (क्वाटरनरी युग)

प्रायद्वीपीय भारत — एक प्राचीन भूखण्ड
गोंडवानालैण्ड का भाग
आर्कियन युग की चट्टानो से निर्मित

* आर्कियन क्रम की चट्टानें — रवेदार, जीवावशेष का अभाव
विस्तार- कर्नाटक, तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, छोटा नागपुर का पठार अर्थात झारखण्ड तथा राजस्थान
मुख्य हिमालय के गर्भ भाग में भी इस प्रकार चट्टाने मिलती है।

* धारवड़ क्रम की चट्टानें —
आर्कियन चट्टानों के अपरदन एवं निक्षेपण के फलस्वरूप
जीवाश्म का अभाव
* यह अरावली श्रेणियाँ, बालाघाट, रीवा, छोटा नागपुर क्षेत्रों के अलावा लद्दाख, जास्कर व कुमायुं पर्वत श्रेणियों आदि में पायी जाती है। (कर्नाटक के धारवाड़ में भी)
सभी प्रमुख धातुएं - सोना, मैंगनीज, लोहा, तांबा, जस्ता क्रोमियम आदि
* इन्ही चट्टानो से फ्लुग्साइड, इल्मैनाइट, सीसा, कोरडम कोबाल्ट, अभ्रक खनिज प्राप्त होते है।

Scanned by CamScanner

धारवाड़ काल में ही अरावली पहाड़ियों का निर्माण मोड़दार पर्वतों के रूप में हुआ था।

* कुड़प्पा क्रम की चट्टानें — जीवाश्म का अभाव
इनका नाम आन्ध्र प्रदेश के कुडप्पा जिले के नाम पर है।
ये चट्टानें आन्ध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हिमालय के कुछ क्षेत्रों, कृष्णा घाटी, नल्लामलाई श्रेणी, चेयार श्रेणी में पाये जाते है।
इनमें बलुआ पत्थर, चूना पत्थर, संगमरमर आदि।

* विन्ध्यन क्रम की चट्टानें— परतदार, सूक्ष्मजीवों के प्रमाण।
लाल बलुआ पत्थर, चीनी मिट्टी तथा डोलोमाइट पाये जाते।
लाल किला, जामा मस्जिद, सांची का स्तूप इन्ही शैलों से बना है।

* गोंडवाना क्रम की चट्टानें — निर्माण कार्बोनिफेरस युग से जुरैसिक युग के बीच।
कोयले के लिए विशेष महत्वपूर्ण (98%)
यह संरचना क्रम भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का आधार है।
eg. बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, आन्ध्रप्रदेश उड़िसा, महाराष्ट्र
दामोदर, महानदी और गोदावरी व सहायक नदियां तथा कच्छ, काठियावाड़ एवं पश्चिमी राजस्थान में इन चट्टानों का सर्वोत्तम रूप मिलता है।

* भारत में प्रथम ज्वालामुखी क्रिया — धारवाड़ युग में
* प्रायद्वीपीय भाग पर दरारों तथा भ्रंशों का निर्माण — गोंडवाना युग में

Scanned by CamScanner

* दक्कन ट्रैप – निर्माण - मेसोजोइक महाकल्प के क्रिटेशियस कल्प में।
इस क्षेत्र में बैसाल्टिक लावा का जमाव मिलता है।
महाराष्ट्र के अधिकांश भाग, गुजरात एवं मध्य प्रदेश में फैला है। कुछ भाग तमिलनाडु, झारखण्ड में भी।

Scanned by CamScanner

# भारत के भौतिक प्रदेश

07 Aug 2016

भारत में – 10.6% पर्वत
18.5% पहाड़ियाँ
27.7% पठार
43.2% मैदान

**4 प्रमुख भौतिक प्रदेश –**

1. उत्तर का पर्वतीय क्षेत्र
2. प्रायद्वीपीय पठार
3. उत्तर भारत का विशाल मैदान
4. तटवर्ती मैदान एवं द्वीपीय भाग

A] **उत्तर का पर्वतीय क्षेत्र** — यह पर्वतीय क्षेत्र पश्चिम में जम्मू काश्मीर से लेकर पूर्व में अरुणाचल प्रदेश तक (2500 किमी॰) में फैला है। इसकी चौड़ाई पूर्व की अपेक्षा (200 km) पश्चिम में (500km) ज्यादा है। इसका कारण है कि पश्चिम की अपेक्षा पूर्व में दबाव बल का अधिक होना।

* हिमालय पर्वत का निर्माण यूरेशियाई प्लेट और इंडिक प्लेट के टकराने से हुआ है।
* यह नवीन मोड़दार पर्वतमाला (Young folded mountain) है।
* यह पर्वत अभी भी निर्माणावस्था में है।
* इस हिमालय के उत्तरी-पश्चिमी भाग में कराकोरम, कैलाश, लद्दाख, जास्कर श्रेणियाँ तथा दक्षिण पूर्व में नागा, पटकोई मणीपुर, व अराकान श्रेणियाँ
* उत्तर का पर्वतीय क्षेत्र चार भागों में विभाजित है।
  - ट्रांस हिमालय
  - वृहद हिमालय
  - लघु या मध्य हिमालय
  - शिवालिक श्रेणी / उप-हिमालय / बाह्य हिमालय

Scanned by CamScanner

ट्रांस हिमालय –

* तिब्बती हिमालय या टेथीस हिमालय भी कहा जाता है।
* यूरेशिया प्लेट का एक खण्ड
* वनस्पति का अभाव
* प्रमुख पर्वत श्रेणी – काराकोरम, कैलाश, जास्कर एवं लद्दाख
  इनका निर्माण हिमालय से भी पहले हुआ।
* मुख्यतः पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में मिलते है।
* काराकोरम श्रेणी की सर्वोच्च चोटी – $K_2$ गाडविन आस्टिन (8611 मी) भारत की सबसे ऊंची चोटी।
* काराकोरम श्रेणी के सबसे बड़े हिमखण्ड (ग्लेशियर) –

  सियाचीन (72 Km)
  बाल्टोरा (58 Km)
  बैफो (60 Km)
  हिस्पर (61 Km)

* लद्दाख श्रृंखला का सर्वोच्च शिखर – राकापोशी
  (विश्व की सबसे बड़ी ढाल वाली चोटी)
* ट्रांस हिमालय अवसादी चट्टानों से बना है।
  टर्शियरी से लेकर कैम्ब्रियन युग तक की चट्टान
* शचर जोन (Shuture zone) – हिन्ज लाइन ⇒ ट्रांस हिमालय को वृहद हिमालय से अलग करती है।
* यह श्रेणी सतलज, सिंधु व ब्रह्मपुत्र (सांगपो) जैसी पूर्ववर्ती नदियां यहीं से निकलती है।
* उच्च एशिया का मेरूदण्ड – काराकोरम श्रेणी

Scanned by CamScanner

किमी है।

इस पर्वत की सबसे ऊंची चोटी —

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| माउण्ट एवरेस्ट | (नेपाल) | — | 8,848 मी. | M |
| कंचनजंगा | (भारत) | — | 8,598 मी. | K |
| मकालू | (नेपाल) | — | 8,481 | M |
| धौलागिरि | (नेपाल) | — | 8,172 | D |
| नंगा पर्वत | (भारत) | — | 8,126 | N |
| अन्नपूर्णा | (नेपाल) | — | 8,078 | A |
| नन्दा देवी | (भारत) | — | 7,817 | N |
| नामचबरवा | (तिब्बत) | — | 7,756 मी. | N |

कुमायूं हिमालय में हिमनद — गंगोत्री हिमनद, हिमनद

सिक्किम में — जेमू हिमनद

गंगा, यमुना नदियों के उद्गम स्थल भी यहि

इस पर्वतश्रेणी में अनेक दर्रे मिलते है —

बुर्जिल और जोजिला — काश्मीर

बारालाप्चा ला, शिपकीला — हिमाचल प्रदेश

थागला, नीति, लीपूलेख — उत्तराचंल

नाथुला और जीपला — सिक्किम

Scanned by CamScanner

लघु हिमालय / मध्य हिमालय –

* यह श्रेणी महान हिमालय के दक्षिण तथा शिवालिक के उत्तर में उसके समानान्तर फैली है।
* औसत ऊंचाई – 1800-3000 मी., चौड़ी – 80-100 किमी.
* पश्चिम विस्तार – पीर पंजाल श्रेणी (जम्मु काश्मीर राज्य में फैलाव मिलता है।)
* पीर पंजाल श्रेणी में – पीर पंजाल दर्रे
  बनिहाल दर्रे
* दक्षिण पूर्व में – धौलाधर श्रेणी (शिमला नगर इसी पर स्थित है)
* अन्य श्रेणियों में – मसूरी, नैनीताल, रानीखेत, अल्मोड़ा दार्जिलिंग, डलहौजी नगर
* प्री- कैम्ब्रियन तथा पैलियोजोइक चट्टानो के बने है।
* कोणधारी वन मिलते है। तथा छोटे - छोटे घास के मैदान जिन्हे काश्मीर में मर्ग (गुलमर्ग, सोनमर्ग, तनमर्ग) और उत्तराचंल में बुग्याल और पयार कहते है।
* मध्य और महान हिमालय के बीच में दो घाटियां पायी जाती है।
  पश्चिम में – काश्मीर घाटी
  पूर्व में – काठमाण्डू घाटी
* इन श्रेणियों की अन्य घाटियों में हिमाचल प्रदेश की कांगड़ा व कुल्लू घाटियां महत्वपूर्ण है।
  कागडा घाटी – नमन घाटी (strike valley)
  कुल्लू घाटी – अनुप्रस्थ घाटी (transverse valley)

Scanned by CamScanner

शिवालिक हिमालय —

* इसे बाह्य हिमालय या उप हिमालय भी कहा जाता।
* औसत ऊंचाई 900 - 1200 मी०
* शिवालिक को जम्मु में जम्मु पहाड़ियों तथा अरुणाचल प्रदेश में डाफला, मिरी, अबोर और मिश्मी पहाड़ियों के नाम से जाना जाता है।
* निमार्ण काल मध्य मायोसीन से निम्न प्लीस्टोसीन काल माना जाता है। (सेनेजोइक युग में)
* शिवालिक और मध्य हिमालय के बीच अनेक घाटियां है—

  पश्चिम में दून — देहरादून

  पूर्व में द्वार — हरिद्वार
* यह श्रेणी बृहद् सीमान्त दरार द्वारा अलग होती है।

Imp points

* काश्मीर घाटी, डल झील > बृहद् हिमालय एवं पीर पजांल के बीच अवस्थित है।
* करेवा — हिमनद गाद, सघन रेत, चिकनी मिट्टी और दूसरे पदार्थों का हिमोढ़ पर मोटी परत के रूप में जमाव
* उत्तराखण्ड के तराई भाग में पातालतोड़ कुएं पाये जाते है।
* करेवा के लिए प्रसिद्ध - काश्मीर हिमालय
* केसर की खेती — करेवा पर की जाती (काश्मीर में)
* लोकटक झील — मणिपुर घाटी
* मोलेसिस बेसिन — मिजोरम में
* फूलों की घाटी — कुमायुँ हिमालय में
* स्तेश एवं बर्न कृषि — स्थानान्तरित कृषि पद्धति

Krishna Chaudhary

Scanned by CamScanner

* हिमालय का सबसे बड़ा ग्लेशियर – सियाचिन 158 किमी॰
* हिमालय का दक्षिणतम तथा नवीनतम विस्तार – शिवालिक
* जवाहर सुरंग – बनिहाल दर्रा
* श्रीनगर को गिलगित से जोड़ने वाला दर्रा – बुर्जिल दर्रा
* पटकोई बुम – एक अभिनित श्रृंखला जो अरुणाचल प्रदेश तथा नागालैंड में उत्तर-दक्षिण में विस्तारित है।
* मेन बाउन्ड्री फाल्ट – मध्य तथा शिवालिक हिमालय को अलग करती है।
* मसूरी, नैनीताल, रानीखेत, अलमोड़ा एवं दार्जिलिंग – मध्य हिमालय में स्थित है।
* ट्रीलाइन की ऊंचाई का मान – पूर्वी हिमालय की तुलना में पश्चिमी हिमालय में कम होता है।
* काश्मीर तथा काठमाण्डु घाटी – मध्य तथा महान हिमालय के बीच में स्थित है।
* बुग्याल एवं पयार घास मैदान – उत्तराखण्ड में
* सिडनी बुरार्ड – ने हिमालय का वर्गीकरण नदी घाटी के आधार पर किया
* हिमालय पर्वत की दो घुमाव युक्त व मोड़दार भुजाएं –
  - उत्तर पश्चिम में – सिन्धु गार्ज
  - उत्तर पूर्व में – दिहांग गार्ज
* पहली शाखा पश्चिमोत्तर सिरे से निकल कर दक्षिण पश्चिम में हिन्दुकुश (पाकिस्तान), सुलेमान और किरथर श्रेणी में विस्तार इनमें खैबर, बोलन और गोमल दर्रे है।
* दूसरा घुमावदार मोड़ इसके उत्तरपूर्वी सिरे में – इनमे गारो, खासी, जयन्तिया पहाड़ियाँ व मणिपुर श्रेणी में पटकोई और लुशाई की पहाड़ियां आती है।

Scanned by CamScanner

* भारत एवं म्यांमार सीमा का निर्धारण — अराकानयोमा पर्वत से
* सुलेमान, किरथर श्रेणी — पाकिस्तान में
* मध्य हिमालय की दक्षिणतम श्रेणी धौलाधर पूर्व में महाभारत श्रेणी के नाम से जाना जाता है।

## सिडनी बुराड वर्गीकरण —

1) कश्मीर या पंजाब हिमालय —
* इसमें जास्कर, लद्दाख, काराकोरम, पीरपंजाल, धौलाधर श्रेणियां शामिल है।
* शुष्क होने के कारण हिम रेखा अधिक ऊंचाई पर पाई जाती है।

2) कुमायूं हिमालय —
* यहां की प्रमुख चोटियां — बद्रीनाथ, केदारनाथ, त्रिशूल, माना गंगोत्री, नन्दा देवी, कामेत
* नन्दा देवी कुमायूं हिमालय की सर्वोच्च श्रेणी
* दून घाटियाँ — शिवालिक व मध्य हिमालय के बीच में स्थित है।
* मीना एवं नीति दर्रों द्वारा यह भाग तिब्बत के निकट है।

3) नेपाल हिमालय —
* कंचनजंघा, मकालू, एवरेस्ट यहीं पर स्थित है।
* काठमाण्डु घाटी यहां की प्रमुख घाटी है।

4) असम हिमालय — यह श्रेणी नेपाल हिमालय की अपेक्षा नीची है। यहां की प्रमुख चोटियां — कूला कांगड़ा, चुमलहारी, काबरू, जांग, सांगला, पौहुनी और नामचा बर्वा है।
प्रमुख नदी — दिवांग, दिहांग, लोहित, ब्रह्मपुत्र
प्रमुख दर्रे — जेलेपला, बुमला, सेला, तुंगा, योंग्याप, कपोला

Scanned by CamScanner

* हिमरेखा की ऊंचाई पूर्वी (असम) हिमालय में 4400 मी. जबकि काश्मीर में यह 5100-5800 मी. तक पायी जाती है।

* पश्चिमी हिमालय में वर्षा की न्यूनता हिमरेखा को प्रभावित करती है।

- ससाइमी (150 किमी.)
- सियाचीन (72 किमी.)
- हिस्पर (61 किमी.)
- बियाफो (60 किमी.)
- बाल्टोरा (62 किमी.)
- बातुला (50 किमी.)
- चोगालुंगमा (42 किमी.)

- शीमो – (40 किमी.)
- पुनमाह – (27 किमी.)
- गंगोत्री – (26 किमी.)
- केदारनाथ – (14 किमी)
- मिलाम – (19 किमी.)

दर्रा (Pass) – (जम्मुकाश्मीर)

**चांग ला** ⇒ लद्दाख और तिब्बत को जोड़ता है, वाहनों के आवागमन के संदर्भ में यह विश्व का तिसरा सर्वोच्च सड़क मार्ग

**काराकोरम दर्रा** – लद्दाख क्षेत्र में काराकोरम पहाड़ियों के मध्य स्थित है। भारत का सबसे ऊंचा दर्रा है। यहां से चीन को जाने वाली एक सड़क भी बनाई गयी है।

**जोजीला दर्रा** – जास्कर श्रेणी में स्थित है। श्रीनगर से लेह को जोड़ता

**बुर्जिल दर्रा** – श्रीनगर को गिलगित से जोड़ता है। यह काश्मीर और मध्य एशिया के बीच पारम्परिक मार्ग है।

**पीरपंजाल दर्रा** – कुलगांव से कोठी ...

Scanned by CamScanner

## हिमाचल प्रदेश के दर्रे—

**शीपकिला दर्रा**— हिमाचल प्रदेश के जास्कर श्रेणी में शीमला को तिब्बत जोड़ता है। सतलज नदी इसी दर्रे से भारत में प्रवेश करती है।

**लुंगलाचाला दर्रा**— लेह (J & K) को मनाली (हिमाचल प्रदेश) से जोड़ता है।

**रोहतांग दर्रा**— पीरपंजाल श्रेणी में स्थित है।

**देबसा दर्रा**— कुल्लु को स्पीति से जोड़ता है।

**बड़ालाचाला दर्रा**— जास्कर श्रेणियों में स्थित लेह (लद्दाख) और मंडी (लाहौर) के बीच मार्ग

## उत्तराखण्ड के दर्रे—

**माना दर्रा**— कुमायूं पहाड़ियों में स्थित है।

**नीति दर्रा**— कुमायूं प्रदेश में स्थित है। मानसरोवर एवं कैलाश पर्वत जाने का रास्ता देता है।

**लिपुलेख दर्रा**— कुमायूं क्षेत्र को तिब्बत के तकलाकोट को जोड़ता है।

## सिक्किम राज्य में दर्रे—

**नाथुला दर्रा**— सिक्किम राज्य में डोंगेक्या श्रेणी में स्थित है। यह दार्जिलिंग तथा चुम्बी घाटी होकर तिब्बत जाने का मार्ग। चुम्बी नदी इसी दर्रे से बहती है।

**जौलेप्ला दर्रा**— दार्जिलिंग व चुम्बी घाटी से होकर तिब्बत जाने का मार्ग।

**डोंकिया दर्रा**— इसके पास भारत की सर्वोच्च अवस्थिति वाली झील चोलामू स्थित है।

Krishna Chaudhary

Scanned by CamScanner

अरुणाचल प्रदेश के दर्रे —

**बोमिडला दर्रा** — तवांग घाटी से होकर तिब्बत जाने का मार्ग

**यांग्याप दर्रा** — चीन के लिए मार्ग, इसी दर्रे से ब्रह्मपुत्र नदी भारत में प्रवेश करती है।

**दिफू दर्रा** — अरुणाचल प्रदेश के पूर्व में म्यांमार तथा चीन की सीमा पर स्थित है।

**पांग साउ दर्रा** — दक्षिण-पूर्व म्यांमार सीमा पर स्थित

* **तुजु दर्रा** — मणिपुर में दक्षिण-पूर्व में स्थित है। इम्फाल से तामू और म्यांमार जाने का रास्ता

**थालघाट** — महाराष्ट्र में, प्रायद्वीपीय भारत का प्रमुख दर्रा, पश्चिमी घाट की श्रेणियों में
इससे होकर मुम्बई के लिए सड़क एवं रेलवे मार्ग

**भोरघाट** - मुम्बई - पुणे को सड़क व रेल मार्ग दे

**पाल घाट** - केरल के मध्यपूर्व में, नीलगिरि तथा अन्नामलाई पहाड़ी के मध्य स्थित है।

सेन कोट्टा दर्रा — केरल में इलायची पहाड़ी पर स्थित जो तमिलनाडु को केरल से जोड़ता है।

बुरहानपुर दर्रा — मध्यप्रदेश में स्थित रेल व सड़क मार्ग हेतु सतपुड़ा पहाड़ी का संकीर्ण मार्ग

* माना, नीति, लिपुलेख और थांगला — इनसे होकर मानसरोवर झील एवं कैलाश घाटी की यात्रा होती है। (उत्तराखण्ड में)

Scanned by CamScanner

प्रायद्वीपीय पठार —

- प्राचीन गोंडवाना भूमि का भाग
- आर्कियन काल के चट्टानो से बना
- भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे प्राचीनतम भू-खण्ड
- औसत ऊंचाई 600 - 900 मी.
- अरावली, राजमहल, शिलांग की पहाड़ियाँ (मेघालय की पहाड़ी) इस पठार की उत्तरी सीमा पर है।
- विन्ध्य श्रेणी तथा 21° से 24° उत्तरी अक्षांशों के मध्य स्थित नर्मदा एवं ताप्ती नदियों की भ्रंश घाटियां प्रायद्वीपीय पठार को दो असमान भागों में बाटती है।

1.7 मध्यवर्ती उच्च भूमियाँ —

- अरावली श्रेणी
- मालवा का पठार
- बुन्देलखण्ड का पठार
- छोटा नागपुर का पठार
- मेघालय का पठार
- पूर्वी राजस्थान की उच्च भूमि

अरावली श्रेणी —

* पालनपुर (गुजरात) से राजस्थान होकर दिल्ली तक में विस्तृत है।
* पुरा कैम्ब्रियन युगीन, क्वार्टजाइट, नीस तथा शिष्ट शैलों से निर्मित
* सर्वोच्च शिखर – गुरु शिखर (1722 मी.)
* संसार की सर्वाधिक पुरानी श्रेणी

Scanned by CamScanner

* अरावली पर्वत अत्यधिक अपरदित तथा विच्छेदित है।
* यह श्रेणी जल-विभाजक के रूप में काम करती है।
* इसके पश्चिम में — माही और लूनी नदी निकलती है
 पूर्व में — बनास नदी (चम्बल की सहायक नदी)

* स्टोर हाउस आफ मिनरल्स — छोटा नागपुर का पठार
* भारत में गली / खड्ड अपरदन (Gully Erosion) से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र — मालवा का पठार

* भ्रंश घाटी में प्रवाहित होने वाली मुख्य नदियाँ —
 नर्मदा, ताप्ती एवं दामोदर
* उत्तरी तथा दक्षिणी भारत के बीच विभाजक के रूप में विन्ध्य पर्वत श्रेणी है।
* धुँआधार प्रपात — जबलपुर में
* भोपाल बेतवा एवं पार्वती नदियों के दोआब में स्थित है।

मालवा का पठार —
* अरावली तथा विन्ध्य शृंखलाओं के मध्य स्थित
* लावा से निर्मित मालवा का पठार काली मिट्टी का समप्राय मैदान
* उत्तरी सीमा — अरावली
 दक्षिणी सीमा — विन्ध्य
 पूर्वी सीमा — बुन्देलखण्ड के पठार द्वारा निर्धारित होती है।
* इस पर बेतवा, पार्वती, नीवज, काली सिंध, चम्बल नदियां प्रवाहित होती हैं।

Scanned by CamScanner

* मालवा पठार का उत्तरी पूर्वी भाग - बुन्देलखण्ड / बघेलखण्ड का पठार
* यह पठार ग्वालियर पठार तथा विन्ध्याचल श्रेणी के मध्य फैला है।

छोटा नागपुर का पठार —

* इस पठार में ढाल तीव्र स्कार्प के रूप में पाये जाते है —
  यह एक अग्रगम्भीर पठार है।
* रांची नगर नदियां चारों दिशाओं में प्रवाहित होती है।
* ✓ दामोदर घाटी एक भ्रंश (Rift valley) के रूप में है।
* यह पठार खनिज पदार्थों में धनी है।
* धनबाद - कोयला खनन तथा औद्योगिक विकास के लिए जाना जाता है।

मेघालय का पठार —

* प्रायद्वीपीय पठार का बहिर्गामी (outw) भाग है।
* भारतीय प्रायद्वीप एवं मेघालय पठार - मालदा गैप द्वारा पृथक होते है।
* शिलांग शिखर (1961 मी.) इस क्षेत्र की उच्चतम शिखर

पश्चिम में - गारो की पहाड़ियां
पूर्व मे - खासी, जैन्तिया, मिकिर तथा रेंगमा पहाड़ी

Krishna chaudhary

Scanned by CamScanner

B] दक्कन का पठार —

* पूर्वी तथा पश्चिमी घाटो, सतपुड़ा, मैकाल तथा राजमहल पहाड़ियों के मध्य विस्तृत है।
* महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक तथा तमिलनाडु राज्यों में विस्तृत है।
* प्राचीन रवेदार शैलों से निर्मित है।

सतपुड़ा पर्वत श्रेणी —

* विस्तार - 21° से 24° उत्तरी अक्षांश
* सतपुड़ा पर्वतमाला की सबसे ऊंची चोटी — धूपगढ़
* मैकाल पहाड़ी का सर्वोच्चतम शिखर — अमरकंटक
* सतपुड़ा श्रेणी की दुसरी मुख्य चोटी — अमरकंटक

महाराष्ट्र का पठार —

* कोंकण तट तथा सह्याद्रि को छोड़कर सम्पूर्ण महाराष्ट्र राज्य पर विस्तृत
* अधिकांश क्षेत्र दक्कन ट्रैप की शैलों से ढकी है।
* अजन्ता की पहाड़िया
  गोदावरी घाटी
  अहमदनगर - बालाघाट पठार
  भीमा बेसिन
  महादेव उच्च भूमि
  } — महाराष्ट्र का पठार 5 इकाइयो में बटां हुआ है।

* महाराष्ट्र राज्य के अर्न्तगत — बालाघाट श्रेणी, हरिश्चन्द्र श्रेणी, और सतमाला पहाड़ियां अवस्थित है।
* पश्चिमी घाट की उच्चतम चोटी कालसुबाई (1646 मी०) हरिश्चन्द्र पर्वत श्रेणी में स्थित है।

Scanned by CamScanner

## दण्डकारण्य –

* विस्तार - उड़ीसा (कोरापुट और कालाहांडी जिला), छत्तीसगढ़ (बस्तर जिला) तथा आन्ध्रप्रदेश में है।
* भारत के मध्यवर्ती भाग में स्थित है।

* पश्चिमी घाट को सह्याद्री भी कहते हैं।

**सह्याद्रि**

| उत्तरी सह्याद्रि | दक्षिणी सह्याद्रि |
| --- | --- |
| सर्वोच्च शिखर - कालसुबाई | सर्वोच्च शिखर - कुद्रेमुख |
| दूसरी प्रमुख चोटी - महाबलेश्वर (कृष्णा नदी यहीं से निकलती) | दूसरा " " - पुष्पगिरि (कावेरी नदी निकलती) |

* नीलगिरि पर्वत ग्रन्थि जहाँ पूर्वी घाट पर्वत एवं पश्चिमी घाट पर्वत आकर मिलते हैं।
* नीलगिरि पर्वत – सर्वोच्च शिखर ⇒ दोदाबेट्टा दक्षिण भारत का दूसरा सर्वोच्च शिखर है।
* ऊटी या उटकमंड – नीलगिरि में स्थित है।
* अनाईमलाई पर्वत का सर्वोच्च शिखर - अनाईमुडी, दक्षिण भारत का सर्वोच्च पर्वत शिखर
* कार्डेमम (इलायची) पहाड़ियों (केरल एवं तमिलनाडु की सीमा पर) के दक्षिण में नागरकोयल की पहाड़ियाँ हैं।
* कोडाईकनाल (तमिलनाडु) – पलनी पहाड़ियों के दक्षिणी किनारे पर स्थित है।

Krishna chaudhary

Scanned by CamScanner

महानदी बेसिन – छत्तीसगढ़ का मैदान
दक्षिणी सिरे पर – राजहरा पहाड़ियाँ (रचना धारवाड़ शैलो से
पश्चिमी सिरे पर – मैकाल श्रेणी

* उड़िसा उच्च भूमि – महेन्द्रगिरि (1490 मी०) सर्वोच्च शिखर
* दक्षिण भारत की उच्चतम चोटी – अन्नामुडि (2695 मी०)
* नीलगिरि का उच्चतम शिखर – दोदाबेटा (2637 मी.)
* दक्षिण पठार से पालघाट दर्रे द्वारा नीलगिरि पर्वत अलग होता है।
* प्रायद्वीपीय भारत के दक्षिणतम भाग में अवस्थित पर्वत इलायची पर्वत है।
* पूर्वी घाट की उच्चतम चोटी – महेन्द्रगिरि (1501 मी०)
* छोटा नागपुर पठार की उच्चतम चोटी – पारसनाथ
* हिमालय पर्वत और निलगिरि के मध्य भारत की सर्वोच्च पर्वत चोटी – गुरुशिखर

पूर्व से पश्चिम की ओर हिमालय की पर्वत चोटियाँ:–

- नामचाबरवा – (7,756) (अरूणाचल तिब्बत सीमा)
- कंचनजंगा (सिक्किम) – (8,598)
- मकालू – (8,481)
- माउण्ट एवरेस्ट (नेपाल) – (8,848)
- गौरीशंकर – (7,144)
- अन्नापूर्णा – (8,078)
- धौलागिरि – (8,172)
- नन्दा देवी (उत्तराखण्ड) – (7,817)
- बद्रीनाथ – (7,138)
- के-2 गाडविन – (8,611
- नंगा पर्वत – (8,126
- राकापोशी – (7,788

Scanned by CamScanner

## उत्तर भारत का विशाल मैदान –

* भाबर क्षेत्र का निर्माण मुख्यतः बजरी (Gravel) तथा मिले जुले अवसादों से.

* उत्तर भारत का विशाल मैदान – सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र तथा प्रायद्वीपीय भारत से आने वाली उत्तर प्रवाही नदियों के निक्षेप क्रिया द्वारा निर्मित

* मैदानी भाग के तराई क्षेत्र में मच्छरों का प्रकोप सर्वाधिक होता है।

* बांगर क्षेत्र – पुरानी जलोढ मिट्टी
  निर्माण मध्य से अपर प्लीस्टोसीन युग के बीच माना जाता
  अनउपजाऊ मिट्टी

* खादर क्षेत्र – नवीन जलोढ मिट्टी
  निर्माण काल अपर प्लीस्टोसीन युग से लेकर आधुनिक काल का है।
  उपजाऊ मिट्टी, भूमिगत जल का उत्तम संग्रहक

* पूर्वी घाट एवं पश्चिमी घाट में सबसे बड़ा अन्तर – पूर्वी घाट में शृंखलाबद्ध श्रेणियों का अभाव

* ✓ भारत में कार्बी ऐंगलोंग की पहाड़ियाँ – असम में

* हिमालय की कौन सी नदी ने जलोढ शंकु का निर्माण नहीं किया है – घाघरा

* कुल्लू घाटी किस फल के लिए विख्यात – सेब

* न्यूमूर, गंगासागर, श्रीहरिकोटा, पाबन, तथा बैरन द्वीप – बंगाल की खाड़ी में

* गांधेर, एलीफेण्टा, मिनीकाय और विलिंगटन द्वीप – अरब सागर में

Scanned by CamScanner

* मेघालय पठार का सर्वोच्च शिखर – नोकरेक
* सतपुड़ा श्रेणी के बुरहानपुर दर्रे से होकर – भुसावल - खण्डवा रेलमार्ग गुजरता है।
* मेला या मलयगिरि पर्वत श्रेणी चन्दन के वनों के लिए प्रसिद्ध है।
* अरावली तथा पूर्वी घाट – प्राचीन वलित पर्वत
* सतपुड़ा, विन्ध्याचल, पश्चिमी घाट – ब्लाक पर्वत
* नर्मदा नदी – भ्रंश घाटी
* काश्मीर मे करेवा झील – पीरपंजाल के पार्श्व में
* करेवा झील
  नदी वेदिकाएं
  स्तनपायी प्राणि के अवशेष } हिमालय के युवावस्था को प्रदर्शित करते है।
* पूर्वी घाट की उच्चतम चोटी – विशाखापत्तनम
  दुसरी सर्वोच्च शिखर - महेन्द्रगिरि
* पूर्वी घाट स्पष्ट रूप से आन्ध्र प्रदेश के कुड़प्पा और कुरनुल जिलों में लगातार श्रेणी के रूप में मिलते है – इनको नल्लामलाई पहाड़ियां कहते है।
* मेलागिरि श्रेणी – चन्दन के वनों के विख्यात है।
* होजेनक्ल नामक जलप्रपात – कावेरी नदी पूर्वीघाट को काटक
* प्रायद्वीपीय पठारी प्रदेश – अनावृत्तिकरण (Denudation) भूक्रिया से सर्वाधिक प्रभावित होता है।
* सतपुड़ा एवं अजन्ता की पहाडियो के बीच के क्षेत्र को – खानदेश से जानते है।

Scanned by CamScanner

* कनारी तट का विस्तार – गोवा से मंगलौर तट

* कोंकण तट – मुम्बई से गोवा तक के पश्चिमी तट

* कोरोमण्डल तट – पर वर्षा लौटते हुए मानसून द्वारा होती है।

* एशिया में सबसे बड़ा खारे जल का झील – चिल्का झील

* कच्छ की खाड़ी – कच्छ तथा काठियावाड़ प्रायद्वीप को अलग

* कैम्बे की खाड़ी – काठियावाड़ प्रायद्वीप एवं गुजरात को अलग

तटीय मैदान –

* निर्माण सागरीय तरंगो द्वारा अपरदन व निक्षेपज एवं पठारी नदियों द्वारा लाए गए अवसादों के जमाव से

* पश्चिम तटीय मैदान – कच्छ की खाड़ी से लेकर कुमारी अन्तरीप तक

- नदियां डेल्टा की जगह ज्वारनदमुख (एस्चुयरी) का निर्माण करती है।

- कोंकण तट ⇒ गुजरात से गोवा तक का तटीय मैदान

- कन्नड़ तट ⇒ गोवा से कर्नाटक के मंगलोर तक का क्षेत्र

- मालाबार तट ⇒ मंगलौर से कन्याकुमारी तक का तटीय मैदान

* पश्चिमी तट पर पश्च जल (Back water) पाये जाते है – जिन्हे केरल में कयाल (लैगून) कहते है।
  e.g. अस्थामुडी तथा बेम्बानाड

* ज्वारनदमुख / एश्चुयरी – पश्चिमी तटीय मैदान की विशेषता

* मालाबार तट – केरल राज्य में

* पश्चिमी तटीय मैदान को अटलांटिक तट की उपमा दी गई

* अराकान योमा की टर्शियरी पर्वत श्रृंखला का दक्षिणतम विस्तार – अण्डमान द्वीप

Krishna chaudhary

Scanned by CamScanner

## पूर्वी तटीय मैदान –

* बंगाल की खाड़ी के सहारे में गंगा के मुहाने से दक्षिण में कन्याकुमारी तक फैला है।
* डेल्टा का निर्माण – पूर्वी तट की विशेषता।
* मांडोवी – जुआरी खाड़ी (वृत्ताकार खुली खाड़ी) – गोवा में
* एशिया का प्रथम समुद्री जीवमंडल संरक्षण क्षेत्र – मन्नार की खाड़ी।
* नदियों ने पूर्वी तट पर उन्मग्नता के कारण डेल्टाओं की रचना।
* कोरोमण्डल तट — तमिलनाडु राज्य में विस्तृत
* पुलिकट नामक लैगून झील – कोरोमण्डल तट की विशेषता
* कृष्णा एवं कावेरी नदियों के बीच का तट – कोरोमण्डल तट यहीं पर चेन्नई तट से भारत का औसत समुद्री तल नापा जाता है।
* लैगून झील — { चिल्का (उडिसा) – (उत्कल मैदान में पाया जाता) पुलीकट झील (आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु सीमा)
* पूर्वी तथा पश्चिमी तटीय मैदान – नागरकोयल एवं कन्याकुमारी कटक द्वारा किये गये है।
* कोलेरू झील – डेल्टा झील ⇒ कृष्णा एवं गोदावरी डेल्टा के बीच स्थित है।
* अष्टमुडि एवं वेम्बानाड झील – केरल में
* ज्वारीय पंक भूमि तथा जीवित एवं मृत खाड़ियां – कच्छ का रण
* विशाखापत्तनम का प्राकृतिक पत्तन – डाल्फिन नामक चट्टान के पीछे सुरक्षित है।

Krishna Chaudhary

Scanned by CamScanner

## द्वीप समूह (Islands)

* स्थलखंड के भाग जिनके चारों ओर जल का विस्तार पाया जाता है।
* अरब सागरीय द्वीप प्राचीन भूमण्डल के अवशिष्ट भाग है तथा प्रवाल भित्ति द्वारा निर्मित है।
* मध्य अण्डमान भारत का सबसे बडा द्वीप है।
* छोटा अंडमान द्वीप – ओंग जाति (जनजाति) के अधिवास हेतु प्रसिद्ध
* अंडमान द्वीप की सर्वोच्च चोटी – सैडंल चोटी (उत्तरी अंडमान में स्थित है)
* निकोबार द्वीप की सर्वोच्च चोटी – माउन्ट थुलियार
* छोटा अंडमान द्वीप में नारकोंडम प्रसुप्त तथा बैरन द्वीप सक्रिय ज्वालामुखी है।
* डंकन पास – छोटा अंडमान व बड़ा अंडमान के बीच स्थित
* 10° चैनल – छोटा अंडमान व कार निकोबार के मध्य स्थित
* भारत का दक्षिणतम बिन्दु पिगमेलियन प्वाइंट (इंदिरा प्वाइंट) ग्रेट निकोबार पर स्थित है।
* पम्बन द्वीप – मन्नार की खाड़ी में
  रामेश्वरम द्वीप के नाम से भी प्रसिद्ध (भारतीय प्रायद्वीप एवं श्रीलंका के मध्य स्थित)
* श्रीहरिकोटा द्वीप – आंध्रप्रदेश में (इसरो का उपग्रह प्रक्षेपण केन्द्र)
* व्हीलर द्वीप – ओडिसा के तट पर (ब्रह्माणी के मुहाने पर)
  ↓
* (मिसाइल परिक्षण के कारण सदैव चर्चा में)
* लैंडफाल द्वीप – अंडमान निकोबार द्वीप समूह का सबसे उत्तरी द्वीप

Scanned by CamScanner

* कोको जलमार्ग — म्यामार के कोको द्वीप से अलग करता
* मध्य अंडमान — अंडमान निकोबार का सबसे बड़ा द्वीप
* पोर्ट ब्लेयर — दक्षिणी अंडमान में स्थित है।
* ह्वेयर द्वीप — प्रवाल निर्मित है।
* लक्षद्वीप समूह (अरब सागर में स्थित) — प्रवाल द्वीप
* आंड्रोत द्वीप — लक्षद्वीप का सबसे बड़ा द्वीप
* अमीनदीव — लक्षद्वीप का सबसे बड़ा द्वीप समूह
* कवारत्ती द्वीप — लक्षद्वीप की राजधानी
* 8° चैनल — मालदीव व मिनीकाय के बीच
* 9° चैनल — मिनीकाय व लक्षद्वीप के बीच
* विलिंगटन द्वीप — केरल में (कोच्ची)
* ड्यू द्वीप — खम्भात की खाड़ी में (12 km लम्बा द्वीप)
* एलीफेण्टा द्वीप — मुम्बई के पास
* सालसेट द्वीप पर मुम्बई बसा है।
* युनेस्को के अनुसार भारत का सबसे बड़ा नदी द्वीप — माजुली
* विश्व का सबसे बड़ा नदी द्वीप — ब्राजील का बनानल

Scanned by CamScanner

27 Jan '16

## सिंधु नदी तंत्र — Length ⇒ 2880 किमी.

सिन्धु तथा उसकी सहायक – झेलम, चिनाब, रावी, व्यास, सतलज, जास्कर, द्रास, श्योक, कुर्रम, गोमल

सिन्धु तिब्बत के मानसरोवर झील के निकट चेमायुंगडुंग ग्लेशियर से निकलती है।

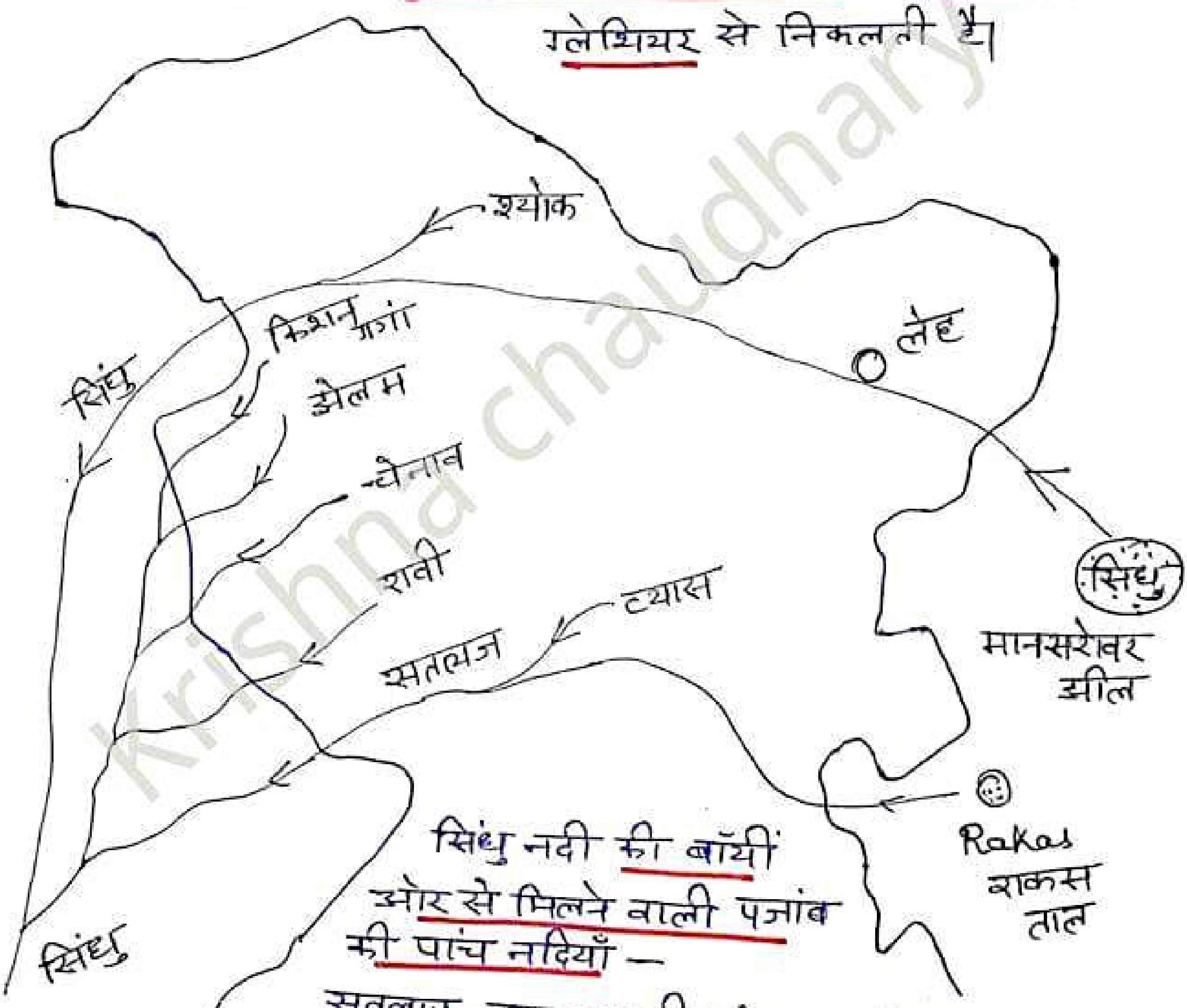


सिंधु नदी की बायीं ओर से मिलने वाली पंजाब की पांच नदियाँ —

सतलज, व्यास, रावी, चेनाब, झेलम (पचंनद)

ये सभी सिंधु नदी की मुख्य धारा से मीठन कोट के पास मिलती है।

दायीं ओर से मिलने वाली नदियां — श्योक, काबुल, कुर्रम

* झेलम नदी – उद्गम स्थल (शेषनाग झील) पीरपंजाल पर्वत की पदस्थली बेरीनाग के समीप. शेषनाग झील से निकलकर वुलर झील में मिलती है।

Krishna chaudhary

Scanned by CamScanner

* चिनाब नदी – सिंधु की विशालतम सहायक नदी
* हिमाचल प्रदेश में चन्द्रभागा कहलाती है।
* रावी का उद्गमस्थल कांगड़ा जिले में रोहतांग दर्रे के समीप है इसी के निकट व्यासकुंड से व्यास नदी भी निकलती है। इसकी घाटी को कुल्लु-घाटी कहते है।
* व्यास सतलज की सहायक नदी है।
* सतलज नदी मानसरोवर झील के समीप राकस ताल से निकलती है। शीपकला दर्रे के पास भारत में प्रवेश करती
* प्रसिद्ध भाखड़ा-नांगल बांध सतलज नदी पर ही बना है।

## गंगा नदी तंत्र –

* गंगा नदी – पूर्ववर्ती अपवाह का उदाहरण है।
* बांग्लादेश में गंगा नदी को – पद्मा कहा जाता है।
* सुन्दरबन डेल्टा का निर्माण – गंगा & ब्रह्मपुत्र
* यमुना की सहायक नदी – चम्बल, सिन्ध, बेतवा, केन
* भागीरथी नदी – गोमुख से (गंगोत्री)
* ब्रह्मपुत्र नदी बहाव क्षेत्र – तिब्बत, बांग्लादेश, भारत

| | | |
|---|---|---|
| रुद्रप्रयाग | — | अलकनन्दा - मदाकिनी |
| नंद्र प्रयाग | — | नन्दाकिनी - अलकनंदा |
| कर्ण प्रयाग | — | अलकनन्दा - पिंडर |
| देव प्रयाग | -- | अलकनन्दा - भागीरथी |

Scanned by CamScanner

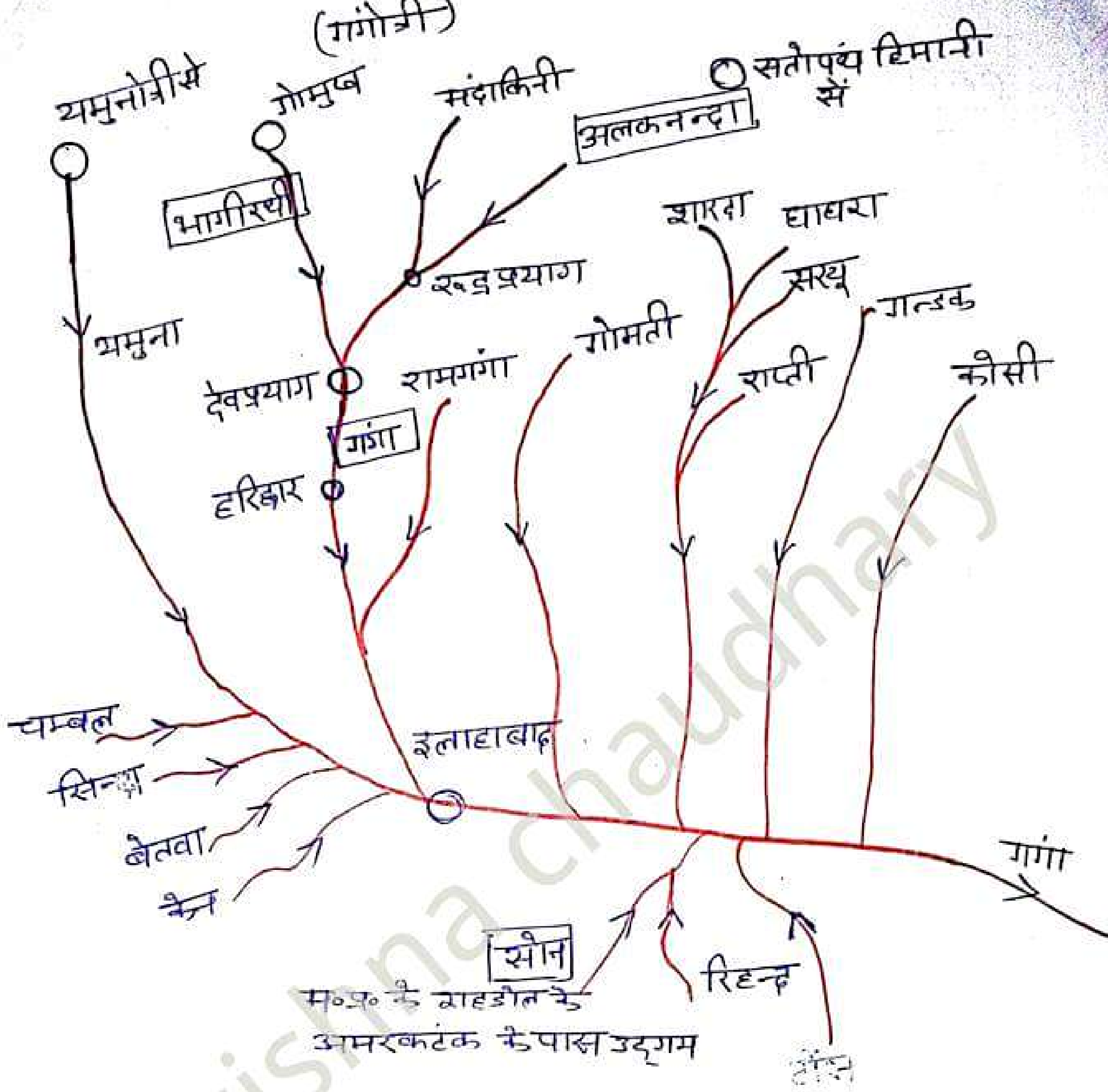


* बद्रीनाथ मंदिर — अलकनन्दा तट पर
* केदारनाथ से रुद्र प्रयाग के मध्य — मंदाकिनी
* मंदाकिनी — अलकनंदा मुख्य नदी से सम्बंधित है
* गंगा की एक मात्र सहायक नदी जिसका उद्गम मैदान है — गोमती
* चम्बल नदी — मालवा के पठार में महू के निकट से निकलती
सहायक नदी - पार्वती, काली - सिंध, बनास

Scanned by CamScanner

## ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र-

उद्गम स्थल- मानसरोवर झील के निकट चेमायुंगडुंग हिमनद से निकलती है।

नामचा बर्वा के निकट एक गहरा कैनियन का निर्माण करती है — इस जगह ये दिहांग के नाम से जानी जाती (अरुणाचल प्रदेश में)

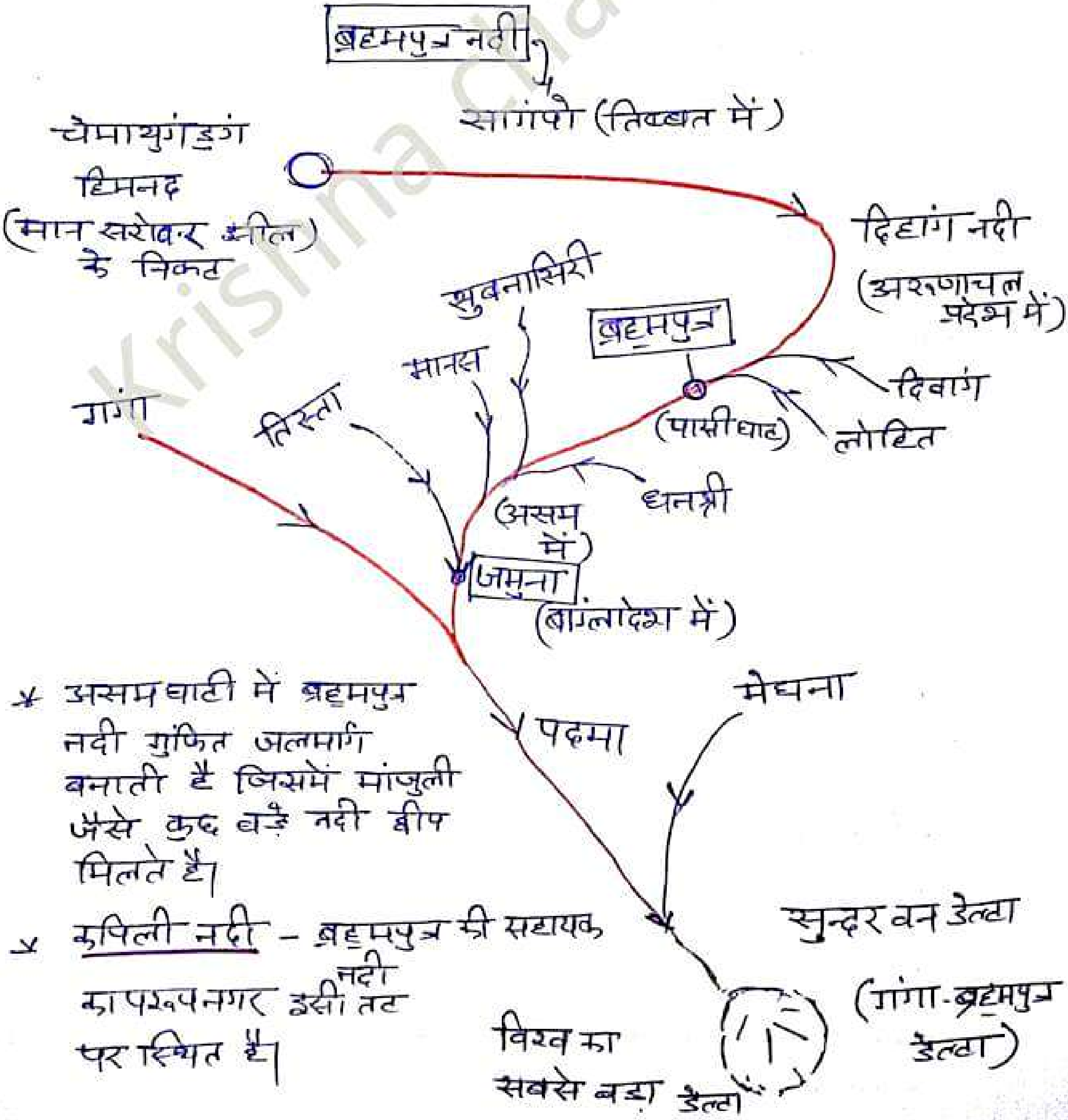


* असम घाटी में ब्रह्मपुत्र नदी गुंफित जलमार्ग बनाती है जिसमें मांजुली जैसे कुछ बड़े नदी द्वीप मिलते है।

* कपिली नदी – ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी
डापरथपनगर इसी तट पर स्थित है।

Scanned by CamScanner

## प्रायद्वीपीय अपवाह —

* प्रायद्वीप की नदियां हिमालय की तुलना में अधिक पुरानी ढाल प्रवणता (Slope gradient) बहुत कम है।
* विसर्पो (Meanders) का अभाव तथा मार्ग निश्चित है।

### बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियाँ —

**महानदी** — उद्गम - मैकाल श्रेणी (सिहावा)

* रायपुर (छत्तीसगढ़) से कटक (उड़िसा) तक प्रवाह
* सहायक नदियां - शिवनाथ, हसदेव, मंड, ईब (उत्तर की ओर से महानदी में मिलती है)
* जोंक व तेल - दक्षिण की ओर से महानदी में मिलती है।

हिराकुंड
टिकरपारा
नराज
] प्रमुख बहुउद्देशीय योजनाएं

* स्वर्णरेखा नदी - छोटा नागपुर के पठार पर रांची के दक्षिण पश्चिम से निकलती है।
* वैतरणी और ब्राह्मणी बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली दो अन्य प्रमुख नदियाँ है।
* ब्राह्मणी नदी - कोयल और सांख नदियों से मिलकर बनी है। (रांची के दक्षिण-पश्चिम से निकलती है)

**गोदावरी** — प्रायद्वीप भारत की सबसे लम्बी नदी
महाराष्ट्र, आन्ध्रप्रदेश और मध्यप्रदेश में
पश्चिमी घाट की नासिक की पहाड़ियों में त्रयम्बक इसका उद्गम है।

{प्रणाहिता
पूर्णा, इन्द्रावती
पेनगंगा, वेनगंगा} — उत्तर में इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ

Scanned by CamScanner

कृष्णा नदी — प्रायद्वीपीय भारत की दूसरी सबसे बड़ी नदी

* Origin – महाबलेश्वर के निकट
* Flow in – महाराष्ट्र, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश
* सहायक नदियाँ — कोयना, वर्णा, तुंगभद्रा, मूसी, मालप्रभा, यरला, डीना, पंचगंगा, दूधगंगा — (जम्मूकश्मीर), घाटप्रभा, भीमा
* तुंगभद्रा की सहायक नदी — हगरी (वेदावती भी कहते)

कावेरी नदी — कर्नाटक के कुर्ग जिले में ब्रह्मगिरि के निकट उद्गम स्थल

* Flow in - केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु
* दक्षिण की गंगा कहा जाता है।
* सहायक नदियाँ — हेमावती, लोकापावनी, शिमसा, अरकावती (उत्तर में), लक्ष्मण तीर्थ, भवानी, अमरावती, सुवर्णवती दक्षिण में
* यह शिवासमुद्रम नामक प्रसिद्ध जलप्रपात बनाती है
* तिरुचिरापल्ली से पूर्व की ओर कावेरी का डेल्टा प्रारम्भ यहां पर यह दो धाराओं उत्तर में— कोलेरून तथा दक्षिण में— कावेरी
* यह दक्कन के पठार में प्रवाहित होती जहां यह श्रीरंगपट्टनम, शिवसमुद्रम एवं श्रीरंगम द्वीपों का निर्माण करती है।
* राइस बाउल ऑफ साउथ इण्डिया भी कहते है।

Krishna chaudhary

Scanned by CamScanner

## अरब सागर में गिरने वाली नदियाँ —

### नर्मदा नदी –

* Origin – मैकाल पर्वत की अमरकंटक चोटी
* Flow in – मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र
* अरब सागर में गिरने वाली प्रायद्वीपीय भारत की यह सबसे बड़ी नदी है।
* यह दो पर्वत श्रेणियों के बीच उत्तर में विन्ध्याचल तथा दक्षिण में सतपुड़ा पर्वत है।
* सहायक नदी – तवा, बरनेर, कोनार, माचक

### ताप्ती (ताप्ती) नदी –

* Origin – म०प्र० के बैतूल जिले के पास सतपुड़ा श्रेणी से
* Flow in – महाराष्ट्र, म०प्र०, गुजरात में
* सतपुड़ा तथा अजंता पर्वतों के बीच भ्रंश घाटी में प्रवाहित होती है।
* सहायक नदी – पूरणा

## सह्याद्री से पश्चिम की ओर प्रवाहित होने वाली नदियाँ —

* गोवा में – मांडोवी, जुआरी
* कर्नाटक में – शरावती, काली नदी
* केरल में – पेरियार, पाम्बा, भरतपूजा (पोन्नानी)
* गुजरात में – शतरंजी, भादर

* **लूनी नदी** – राजस्थान में अरावली श्रेणी के नाग पर्वत से निकलकर कच्छ के रन में विलुप्त हो जाती है। (दलदली भूमि में)

सहायक नदी – सरस्वती, जवाई, सुखड़ी नदी

Scanned by CamScanner

* प्रायद्वीपीय भारत में पूर्व की दिशा में बहने वाली नदियों का क्रम —

सुवर्ण रेखा – महानदी – गोदावरी – कृष्णा - पेन्नार - कावेरी - वैगाई

* नर्मदा, ताप्ती एवं माण्डवी – एश्चुअरी बनाती है।

* दुधगंगा नदी – जम्मु कश्मीर में अवस्थित है।

* सतलज नदी – तिब्बत स्थित राकस ताल से निकलती है हिमालय की श्रेणियों को काटकर गहरे गार्ज का निर्माण करती है।

* उत्तर से दक्षिण दिशा का क्रम —
किशनगंगा – गंगा नदी – वेनगंगा – पेनगंगा

* प्रमुख नदियों का लम्बाई के आधार पर क्रम —
गोदावरी > नर्मदा नदी > महानदी > ताप्ती नदी

* सबसे अधिक नदीपथ परिवर्तन — कोसी नदी

* दामोदर (बंगाल का शोक) – हुगली की सहायक नदी

* नदी के अपरदन द्वारा निर्मित स्थलाकृति —
गार्ज एवं कैनियन (Gorge & Canyons)
V- आकार घाटी (V- shaped valley)
जल प्रपात एवं क्षिप्रिका (Water fall & Rapids)
जलगर्तिका (Port Holes)
नदि वेदिकाएँ (River Terraces)
नदी विसर्प (River meanders)
संरचनात्मक सोपान (Structural benches)
समप्राय मैदान (Peneplain)

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner

* नदी के निक्षेपण द्वारा निर्मित स्थलाकृतियाँ —

जलोढ़ पंख
जलोढ़ शंकु
प्राकृतिक तटबंध
बाढ़ का मैदान
गोखुर झील
डेल्टा

अपवाह प्रतिरूप (Drainage Pattern) —

1.7 पूर्ववर्ती अपवाह प्रतिरूप — (Imp) (IAS)
स्थलखण्ड में उत्थान होने पर भी अपने मार्ग को ही अपनाती है।
e.g. सिन्धु, गंगा, ब्रह्मपुत्र, सतलज, तीस्ता

2.7 वृक्षाकार अपवाह प्रतिरूप — (Imp) [UPPSC]
e.g. गंगा, गोदावरी, कृष्णा

3.7 अध्यारोपित अपवाह प्रतिरूप — (superimposed)
e.g. दामोदर, सोन, सुवर्णरेखा, चम्बल, ताप्ती, गोदावरी कृष्णा, नर्मदा,

4.7 आरीय (Radial) अपवाह प्रतिरूप —
eg. सोन, महानदी, नर्मदा या राँची पठार से निकलने वाली नदियाँ

5.7 अन्तः स्थलीय अपवाह — जो समुद्र तक नहीं पहुंच पाती है। तथा स्थलीय क्षेत्र में विलुप्त हो जाती है।
e.g. लूनी, घग्घर, रूपेन सरस्वती, बनास

Krishna chaudhary

* एडन नहर — दामोदर नदी से निकाली गई है।
  दामोदर नदी – छोटा नागपुर पठार से निकलती है।
  सहायक नदी – जमुनिया, बरकी, बराकर
  बंगाल का शोक

* त्रिवेणी नहर – गण्डक नदी से पानी

* कोसी नदी – बिहार का शोक
  गंगा की प्रमुख सहायक नदी, उद्गम – नेपाल, तिब्बत और
  सिक्किम की चोटी

* केन-बेतवा लिंक परियोजना – उ॰प्र॰ तथा म॰प्र॰ के बीच

* राजघाट नदी घाटी परियोजना – बेतवा नदी पर

* महात्मा गांधी सेतु – गंगा नदी पर (बिहार में)

* किशनगंगा – सहायक नदी झेलम की

Scanned by CamScanner

# Lakes & Waterfalls In India — 30 Jan'16

* विवर्तनिक झीलें — वुलर झील
  गोबुर झील

> वुलर झील - मीठे पानी की सबसे बड़ी झील
  तुलबुल परियोजना इसी पर स्थित है।

* ज्वालामुखी क्रिया से निर्मित झील — लोनार झील

* लैगून झील — चिल्का झील (उड़िसा)
  भारत की सबसे बड़ी लैगून झील
  पुलीकट झील (आन्ध्र प्रदेश & तमिलनाडु)
  अष्टमुडी झील (केरल)
  कोलेरु झील (आन्ध्र प्रदेश)
  सांभर झील (राजस्थान)

* हिमानी द्वारा निर्मित झीलें —
  राकसताल
  नैनीताल
  सातताल
  भीमताल
  खुरपाताल
  } कुमायूं हिमालय की झील

* उकाई झील - मानव निर्मित (गुजरात ताप्ती नदी)

* पेरियार झील - कृत्रिम झील

* लोकटक झील — (मणिपुर) पूर्वोत्तर भारत की सबसे बड़ी झील
  इस झील में कबुललामजाओं — तैरता हुआ राष्ट्रीय पार्क

* वेम्बानद झील — (केरल में) इसमें वेलिंगटन द्वीप है
  भारत की सबसे लम्बी झील है।

Krishna Chaudhary

Scanned by CamScanner

फुलहर झील – उत्तर प्रदेश में (गोमती नदी से उत्पत्ति)
लोनार झील – महाराष्ट्र
नक्की – राजस्थान
रूपकुण्ड झील – रहस्यमयी झील (उत्तराखण्ड)
हमीरसर झील – गुजरात
रूपकुण्ड झील – उत्तराखण्ड
सूरजकुण्ड झील – हरियाणा
पुष्कर झील – राजस्थान

जम्मु काश्मीर – डल झील, अंचार झील, शेषनाग
राजस्थान – डिडवाना, उदय सागर झील
असम – चन्दुबी, चपनाला, हाफलांग झील

जलप्रपात:–

* जोग / गरसोप्पा / महात्मा गांधी प्रपात – शरवती नदी
* शिवसमुद्रम जलप्रपात – कावेरी नदी
* धुआँधार जलप्रपात – नर्मदा नदी
* चूलिया जलप्रपात – चम्बल नदी
* दूधसागर प्रपात – माडंवी नदी (गोवा में)
* चित्रकूट जल प्रपात – इन्द्रावती नदी (भारत का नियाग्रा प्रपात)
* हुंडरू जलप्रपात – स्वर्णरेखा नदी
* कपिल धारा प्रपात – नर्मदा नदी
* गोकक प्रपात – गोकक (कृष्णा की सहायक नदी)
* येना प्रपात – महाबलेश्वर के समीप
* मधार & पुनासा जलप्रपात – नर्मदा नदी

(Q) भारत में सर्वाधिक ऊँचाई वाला झरना – कुंचीकल (455 मी०/1500 फीट)

Scanned by CamScanner

# बहु उद्देश्यीय नदी घाटी परियोजनाएँ –

A) नर्मदा घाटी परियोजना –

* सबसे लम्बी पश्चिम की ओर बहने वाली नदी है। इसका 87% मध्यप्रदेश में, 11.5% गुजरात, 1.5% महाराष्ट्र में पड़ता है।
* इस नदी पर सरदार सरोवर बाँध (गुजरात में) तथा नर्मदा सागर बांध (मध्यप्रदेश) में है।

A] सरदार सरोवर परियोजना –

* मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात व राजस्थान की संयुक्त परियोजना
* मध्यप्रदेश सर्वाधिक दुष्प्रभावित राज्य जबकि सर्वाधिक लाभ – गुजरात को होगा।

B.] नर्मदा सागर परियोजना – (इंदिरा सागर बाँध)

* यह खण्डवा (म.प्र.) के निकट है।
* इससे 1.23 लाख हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई तथा 1000 Megawatt विद्युत उत्पादन

ओंकारेश्वर परियोजना – नर्मदा नदी से सम्बन्ध

[The downstream project of ISP are Omkareshwar Maheshwar and Sardar sarovar project]

* नर्मदा बचाओ आन्दोलन – मेधा पाटकर (सरदार सरोवर परियोजना के विरोध में)

Scanned by CamScanner

# भाखड़ा - नांगल बांध —

* यह पंजाब हरियाणा एवं राजस्थान राज्य की सतलज नदी पर बनाई गई देश की सबसे बड़ी बहुउद्देशिय योजना है।
* बांध के पिछे बनी झील का नाम — गोविन्द सागर (हिमाचल) नांगल नामक स्थान पर एक दुसरा बांध बनाया गया है।
* इस परियोजना का लाभ - हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा राजस्थान को
* भाखड़ा बांध - बिलासपुर हिमाचल प्रदेश में बना है। Installed capacity - 1325 MW

# दामोदर घाटी परियोजना —

* यह स्वतंत्र भारत की प्रथम बहुउद्देशीय परियोजना झारखण्ड तथा पं० बंगाल राज्यों में फैली दामोदर की USA की टैनेसी घाटी परियोजना के आधार पर दामोदर घाटी निगम की स्थापना हुयी। (1948 में)

# नागार्जुन सागर बांध — कृष्णा नदी पे

210 MW विद्युत उत्पादन

* आन्ध्र प्रदेश के नन्दीकोंडा गांव के निकट

# हीराकुण्ड बाँध — महानदी पर

* उड़िसा में विश्व का सबसे लम्बा बाँध है महानदी पर तिकरपाड़ा तथा नराज बाँध भी बनाये गये है।

महानदी - उड़िसा का शोक

Scanned by CamScanner

# चम्बल घाटी परियोजना –

* चम्बल नदी पर निर्मित राजस्थान एवं मध्यप्रदेश की संयुक्त परियोजना है।

  इस परियोजना के अन्तर्गत – 3 बाँध

  - गांधी सागर बाँध (मध्य प्रदेश)
  - राजा प्रताप सागर बाँध (राजस्थान)
  - जवाहर सागर बाँध ( " )

# टिहरी बाँध परियोजना –

भागीरथी और सहायक भिलांगना के संगम से आगे टिहरी उत्तराखण्ड में

# इंदिरा गाँधी नहर परियोजना –

* विश्व की विशालतम सिंचाई परियोजना
* सतलज और व्यास के संगम पर हरि के बैराज पर निर्मित जहाँ से राजस्थान फीडर नहर निकाली गई है।
* 649 किमी लम्बी यह 14.5 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचित करती है।
* इंदिरा गांधी नहर में घाघर नदी का जल use होता है।

# गण्डक परियोजना –

UP और बिहार का संयुक्त प्रयास
(गण्डक नदी) बाल्मिकी नगर में
इसमें 4 नहरे (2 भारत, 2 नेपाल मे)

Scanned by CamScanner

* व्यास परियोजना – [पंजाब, हरियाणा, राजस्थान की]
व्यास नदी पर पोंग बांध बनाया गया है।

Asked in exam ⇒ अलमट्टी बांध – कृष्णा नदी
⇒ मेट्टूर बांध – कावेरी नदी
⇒ गांधी सागर बांध – चम्बल
⇒ इडुक्की परियोजना – पेरियार नदी (केरल में)
⇒ माताटीला बांध – बेतवा नदी (उ० प्र० & म० प्र० की)
⇒ पोचम्पाद परियोजना – गोदावरी नदी (आन्ध्र प्रदेश)
⇒ शिवसमुद्रम परियोजना – कावेरी नदी
⇒ फरक्का बैराज परियोजना – गंगा नदी (पं बगाल)
⇒ घाट प्रभा परियोजना – घाट प्रभा नदी (कर्नाटक)
⇒ ककरापार परियोजना – ताप्ती नदी (गुजरात)
⇒ गोविन्द सागर झील – सतलज नदी (हिमाचल प्रदेश)
⇒ उकाई जलाशय – ताप्ती नदी (गुजरात)
⇒ तुलबुल नौवहन परियोजना – झेलम नदी (J&K)
⇒ बगलिहार पावर प्रोजेक्ट – चिनाब नदी (J&K)
⇒ { दमनगंगा सिंचाई परियोजना – गुजरात
गिरना " " – महाराष्ट्र
पाम्बा " " – केरल }
⇒ कल्पसर परियोजना – गुजरात (खम्भात की खाड़ी के पार)
⇒ तपोवन और विष्णुगढ़ जल विद्युत परियोजना – उत्तराखंड (अलकनन्दा)
⇒ महाकाली संधि – भारत और नेपाल के मध्य
⇒ सुड्ल नदी परियोजना – सुड्ल नदी (हिमाचल प्रदेश)

Scanned by CamScanner

- जवाहर शक्ति परियोजना – राजस्थान
- शिवसमुद्रम – कर्नाटक
- तीस्ता लो डैम प्रोजेक्ट - तृतीय ⇒ तीस्ता नदी (प. बंगाल)
- प्रथम & द्वितीय प्रोजेक्ट का सम्बंध – सिक्किम
- रानी लक्ष्मीबाई बांध परियोजना – बेतवा (उत्तर प्रदेश)
- रामगंगा परियोजना – रामगंगा नदी
- दुलहस्ती हाइड्रो पावर स्टेशन – चिनाब नदी (J & K)
- भद्रा जलाशय – कर्नाटक
- भवानी सागर – तमिलनाडु
- गांधी सागर – मध्य प्रदेश
- तिलैया नदी घाटी परियोजना – बराकर नदी
- पंचेट हिल बांध – दामोदर नदी
- राणा प्रताप सागर बांध – चम्बल नदी
- बबली प्रोजेक्ट – गोदावरी नदी महाराष्ट्र - आंध्रप्रदेश
  विवादित - (आन्ध्रप्रदेश को आपत्ति)
- सलाल परियोजना – चिनाब (J & K)
- थीन बांध परियोजना – रावी (पंजाब)
- मेट्टूर परियोजना – कावेरी तमिलनाडु

Krishna chaudhary

Scanned by CamScanner